नाको समाचार

समाचार पत्रक जनवरी–मार्च 2019 खंड X अंक 17

NACO

National AIDS Control Organisation

India's Voice against AIDS

Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

www.naco.gov.in

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

Chalo Banayein Swasth Bharat

AIDS Helpline 1097

अनुक्रमणिका

मुख्य लेख

स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी. के परिप्रेक्ष्य में
पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों के साथ राष्ट्रीय परामर्श 06

कार्यक्रम

वैश्विक निधि 6ठी पुन:पूर्ति की
प्रारंभिक बैठक 10
एड्सकॉन–"एड्स मुक्त दुनिया की ओर" 12
पूर्वोत्तर बहुमाध्यम अभियान का ग्रैंड फिनाले 13
विजेता 14
देखभाल, समर्थन एवं उपचार परियोजना की राष्ट्रीय समीक्षा 14
सह–सृजन कार्यशाला 15
पूर्वोत्तर परिषद (एन.ई.सी) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के बीच समझौता
ज्ञापन पर हस्ताक्षर 16
लक्षित हस्तक्षेप (टी.आई.) परियोजना के लिए अगली पीढ़ी की
आई.ई.सी. सामग्री का विकास 17
फ़ास्ट–ट्रैक वीसीटी@वर्क के संबंध में परामर्श 17
राष्ट्रीय एड्स नि:शुल्क हेल्पलाइन 1097 18
सफलता की कहानी 18

राज्य

जम्मू और कश्मीर 19
गुजरात 19
दिल्ली 20
असम 20
छत्तीसगढ़ 21
पुदुच्चेरी 21
तमिलनाडु 21
अण्डमान और निकोबार 21
हरियाणा 22

समारोह

राष्ट्रीय युवा दिवस 23

संरक्षक की कलम से

प्रिय सभी,

मैं सभी पाठकों का नाको समाचार के इस संस्करण में स्वागत करता हूँ ।

पिछले अंकों में, मैंने कारागारों और आबद्ध परिवेशों में हस्तक्षेपों का उल्लेख किया था। 2016 में माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा कारागार में एच.आई.वी. संबंधी हस्तक्षेपों के लोकार्पण के पश्चात, नाको एक चरणबद्ध तरीके से देश में कारागारों और अन्य आबद्ध परिवेशों में एच.आई.वी./एड्स संबंध हस्तक्षेपों को क्रियान्वित कर रहा है। अभी तक, देश में 700 कारागारों में 4 लाख से अधिक कारागार कैदियों को एच.आई.वी. रोकथाम और उपचार सेवाओं के अंतर्गत लाया गया है। स्वाधार, उज्ज्वला और अन्य राज्य–संचालित गृहों जैसे दूसरे आबद्ध परिवेशों में रहने वाली महिलाओं के लिए भी सदृश हस्तक्षेप क्रियान्वित की जा रही है। इस समय नाको यू.एन.ओ.डी.सी. और यू.एन.एड्स के सहयोग से कारागार अधिकारियों सहित कानून प्रवर्तन एजेंसियों का संवेदीकरण करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों की मौजूदा पाठ्यचर्या में शामिल किए जाने के लिए स्वापक औषधि उपयोग और एच.आई.वी./एड्स संबंधी नियमपुस्तक तैयार कर रहा है।

मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि नाको ने पूर्वोत्तर परिषद (एन.ई.सी.), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहभागिता का लक्ष्य पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में एच.आई.वी./एड्स संबंधी प्रतिक्रिया सुदृढ़ीकरण करना और बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचना है। यह 17वां समझौता ज्ञापन है जिस पर नाको ने प्रमुख मंत्रालयों/विभागों के साथ एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम और नियंत्रण के लिए हस्ताक्षर किए हैं।

हम अपने फास्ट्रैक लक्ष्यों को हासिल करने के उपांतिम वर्ष में हैं। इसलिए, मैं एड्स नियंत्रण परियोजना में कार्य करने वाले समस्त व्यक्तियों से एड़ी–चोटी का प्रयास करने का आग्रह करता हूँ।

मुझे आशा है कि आपको नाको समाचार पढ़ने से लाभ हुआ होगा। मुझे आपके फीडबैक का इंतजार रहेगा। आप सभी को शुभकामनाएँ।

संजीव कुमार,
अपर सचिव और महानिदेशक
(नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.),
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त सचिव की कलम से

प्रिय पाठकगण,

नव वर्ष, 2019 में आपका स्वागत है!

नाको सूचना–पत्र के माध्यम से पाठकगण के साथ संवाद करके अत्यधिक आनंद मिलता है।

मैं नॉर्थ ईस्ट यूनायटेड अगैन्स्ट एच.आई.वी./एड्स नामक पूर्वोत्तर मल्टी मीडिया अभियान के सर्वप्रथम ग्रैंड फ़िलाने की भव्य सफलता का वर्णन करते हुए यह लेख प्रारंभ करना चाहूँगा। पूर्वोत्तर क्षेत्र में एच.आई.वी./एड्स के प्रति जागरुकता, संवेदना, शिक्षा और सहायता को प्रोत्साहित करने के लिए इसका आयोजन किया गया था। पहली बार एक अंतर–राज्य प्रतियोगिता हुई। इसमें सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों से जीतने वाले म्यूजिक बैंडों ने भाग लिया। लगभग 10,000 दर्शकों की उपस्थिति में यह अभियान अत्यधिक सफल रहा। मैं अभियान के सभी विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। साथ ही, यह आकांक्षा करता हूँ कि अन्य सभी राज्य भी इसी तरह के अभियानों की योजना बनाएंगे। ये अभियान युवा सोच पर एक स्थायी छाप छोड़कर बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने के स्रोत का कार्य करेंगे।

मुझे चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के द्वारा आयोजित राष्ट्रिय सम्मेलन, एड्सकॉन–8 में भाग लेने का अवसर मिला। इस राष्ट्रीय सम्मलेन का लक्ष्य 'एड्स मुक्त संसार' का सृजन करना था। चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी की इस पहल के अंतर्गत विभिन हितधारकों को एक ही मंच पर लाने हेतु ऐसे राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने के लिए मैं चंडीगढ़ राज्य एड्स सोसायटी की प्रशंसा करता हूँ।

नाको समाचार के इस प्रकाशन में राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यकलापों को शामिल किया गया है। प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के महान दर्शन के प्रति हमारी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय युवा दिवस पर देश भर में विभिन्न कार्यकलापों का आयोजन किया जाता है। इनमें से कुछ–एक कार्यकलापों की झलकियों को 'समारोह भाग' में शामिल किया गया है।

प्रकाशन को बेहतर बनाने के लिए, कृपया अपने बहुमूल्य विचारों और फीडबैक को साझा करने में संकोच महसूस न करें। मैं सभी पाठकों को शुभकामनाएँ देता हूँ!

श्री आलोक सक्सेना,
संयुक्त सचिव, नाको,
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

संपादक की कलम से

मेनस्ट्रीमिंग और सहभागिताओं

विभिन्न हितधारकों के साथ सहभागिता के माध्यम से एच.आई.वी. और एड्स के लिए एक बहु–क्षेत्रक प्रत्युत्तर का निर्माण करने के लिए, मेनस्ट्रीमिंग और सहभागिता राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एन.ए.सी.पी.) की एक महत्वपूर्ण कार्यनीति है। यह अहसास होने पर कि एच.आई.वी. के प्रति सुग्राहिता का न्यूनीकरण करने, परियोजना की पहुँच एवं व्याप्ति का संवर्धन करने और संक्रमित एवं पीड़ित पर एच.आई.वी. के प्रभाव का प्रशमन करने में गैर–स्वास्थ्य क्षेत्र महत्वपूर्ण और सार्थक भूमिका निभा सकता है, मेनस्ट्रीमिंग विधि की स्थापना हुई।

नाको सहभागिता को सुदृढ़ करने के लिए मुख्य मंत्रालयों और विभागों के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से एड्स कंट्रोल प्रोग्राम को आगे बढ़ाता है। अभी तक ऐसे 17 समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इसी कड़ी में नाको ने पूर्वोत्तर परिषद (एन.ई.सी.) के साथ हाल ही में समझोता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। राज्य/संघशासित क्षेत्रों के संबंधित विभाग के परामर्श से राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के माध्यम से संबंधित समझौता ज्ञापनों में सूचीबद्ध कार्यकलापों का संचालन किया जाता है।

प्रत्येक हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत हासिल उल्लेखनीय उपलब्धियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

क) राज्यों/संघशासित क्षेत्रों में समावेश विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ पक्षसमर्थन और सहभागिता;

ख) जागरूकता और निवारक कार्यकलापों के साथ बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचना;

ग) मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मौजूदा स्वास्थ्य अवसंरचना में एच.आई.वी. से संबंधित सेवाओं का विस्तार;

घ) सामाजिक कुक्षि एवं भेदभाव को कम करना और

ङ) लाभार्थियों में एक लाभार्थी के रूप में एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) के समावेशन और मुख्य आबादी द्वारा लाभों के अभिगम के माध्यम से एच.आई.वी. सुग्राही सामाजिक सुरक्षा के संबंध में निर्देश जारी करना।

इस प्रकार की सहभागिताओं का 90–90–90 हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान है।

एक बार पुन:, मैं सहयोगीपूर्ण और सार्थक सहभागिता के माध्यम से 2030 तक एड्स का उन्मूलन करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता हूँ।

डॉ. नरेश गोयल,
उप–महानिदेशक (आई.ई.सी. एवं एल.एस.)
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

मुख्य लेख

स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी. के परिप्रेक्ष्य में पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों के साथ राष्ट्रीय परामर्श

स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी. के परिप्रेक्ष्य में पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों के साथ राष्ट्रीय परामर्श के उद्घाटन के अवसर पर श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.) अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ

10 एवं 11 जनवरी, 2019 को दिल्ली में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, यू.एन.एड्स और यू.एन.ओ.डी.सी. के सहयोग से, श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.) की अध्यक्षता में पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों तथा स्वापक औषधियों के उपयोग एवं एच.आई.वी./एड्स कार्यक्रम और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ अन्य मुख्य हितधारकों के प्राधिकारियों की उपस्थिति में स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी. के परिप्रेक्ष्य में दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया।

राष्ट्रीय परामर्श का समग्र उद्देश्य, पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों के साथ स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी./एड्स से संबंधित विषयों को उनके पुलिस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने का पक्षसमर्थन करना था। इसमें प्रमुख हितधारकों से, यू.एन.ओ.डी.सी. के सहयोग से तैयार की गई प्रशिक्षण नियमावली की समीक्षा करने तथा उसके संबंध में उनके सुझाव एवं टिप्पणियां उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। किसी भी परिस्थिति में प्रथम प्रत्युत्तरदाता के रूप में पुलिस की भूमिका तथा स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी./एड्स के बारे में जानकारी के साथ उनका संवेदीकरण एवं सशक्तीकरण करने की आवश्यकता पर फोकस करना भी इस परामर्श का उद्देश्य था। परामर्श के दौरान, ह्यूमन इम्यूनो डेफीशियेंसी वायरस और एक्वायर्ड इम्यूने डेफीशियेंसी सिंड्रोम (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 और स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (संशोधन) अधिनियम, 2014 और इनके अंतर्गत अधिक उपयोग की आवश्यकता रखने वाले उपबंधों को भी प्रस्तुत किया गया।

प्रमुख सुझाव

1) स्वापक औषधि उपयोग और एच.आई.वी./एड्स के संबंध में पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों के लिए तैयार की गई प्रशिक्षण नियमावली को अंतिम रूप दिया जाए।
2) प्रस्तावित पहल का संचालन करने हेतु रूपरेखा तैयार करने के लिए पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बी.पी.आर. एंड डी.), गृह मंत्रालय के साथ समन्वय किया जाए।
3) क्षेत्रीय/राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) का आयोजन करने के लिए यू.एन.ओ.डी.सी., यू.एन.एड्स, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, उत्तर पूर्वी पुलिस अकादमी और अन्य राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों के साथ अनुवर्तन किया जाए।
4) मंडोली कारागार परिसर में ए.आर.टी. केंद्र स्थापित करने में सहायता हेतु सी.एस.टी. डिवीजन/नाको और तिहाड़ कारागार के साथ समन्वय किया जाए।
5) सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एस.वी.पी.एन.पी.ए.) और उत्तर पूर्वी पुलिस अकादमी (एनईपीए) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएं।
6) सभी केंद्रीय कारागारों में नशामुक्ति केंद्र स्थापित करने के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के साथ सहयोग किया जाए।

"इस पहल का एकीकृत विषय पुलिस कर्मियों के बीच एच.आई.वी./एड्स के संबंध में जागरुकता पैदा करना है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां, एन.डी.पी.एस. अधिनियम की धारा 64ए के उपबंध को लागू करके एच.आई.वी./एड्स सेवाओं के लिए स्वापक औषधि व्यसनियों को रेफर करने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उपचार हेतु स्वेच्छा से आगे आने वाले व्यसनियों को अभियोजन से छुटकारा प्रदान किया जा सके। नाको के अधिकारियों को इस महत्त्वपूर्ण पहल के संबंध में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख मंत्रालयों और विभागों के साथ औपचारिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने में तेज़ी लानी चाहिए।"

श्री संजीव कुमार
अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.)
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

"मैं एच.आई.वी./एड्स और स्वापक औषधियों का उपयोग करने वालों के संबंध में तिहाड़ में कार्य को आगे बढ़ाने में, तिहाड़ जेल में एक ए.आर.टी. केंद्र स्थापित करने हेतु सहयोग के लिए नाको का आभारी हूँ। मैं नाको से स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी./एड्स के संबंध में कारागार कर्मचारियों की क्षमता का निर्माण करने का अनुरोध भी करता हूँ।"

श्री अजय कश्यप
पुलिस महानिदेशक (तिहाड़ कारागार)

"परामर्श के आयोजन के लिए नाको को बधाई। स्वापक औषधियों के अवैध व्यापारी अपराधी हैं और उनके विरुद्ध भिन्न प्रकार से कार्यवाही की जाने की आवश्यकता है। स्वापक औषधियों के व्यसनी स्वास्थ्य की तकलीफों से पीड़ित हैं और एन.डी.पी.एस. अधिनियम (संशोधन), 2014 की धारा 64ए का अवलोकन करते हुए उनके साथ भी भिन्न प्रकार से कार्यवाही की जाने की आवश्यकता है।"

श्री अभय
महानिदेशक, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो

"राज्य एड्स नियंत्रण समितियों से उपस्थित प्रतिनिधियों को "मास्टर प्रशिक्षकों" के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों से चैम्पियनों की पहचान करनी चाहिए।"

श्री आलोक सक्सेना
संयुक्त सचिव, नाको,
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

"मैं सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो और नाको के बीच सहक्रियता लाने के लिए नाको की पहल का स्वागत करता हूँ। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों, कारागारों और सुधार गृहों में से किसी में भी व्यसनियों के लिए एक एकीकृत पुनर्वास केंद्र स्थापित करने हेतु 400 से अधिक संगठनों की सहायता कर रहा है। मैं कारागारों को कारागार परिवेश के परिसर के अंदर नशामुक्ति केंद्र खोलने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।"

श्री सुरेंद्र सिंह
संयुक्त सचिव, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

"एच.आई.वी./एड्स और स्वापक औषधियों के दुरुपयोग के बारे में संवेदीकरण करने और इससे संबंधित विषयों को प्रशिक्षण मॉड्यूल में शामिल करने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। पुलिस को प्रथम प्रत्युत्तरदाता के रूप में, अपने दैनिक कामकाज के दौरान आवर्ती अपराधियों, स्वापक औषधि के व्यसनियों और देह व्यापार में शामिल लोगों से निपटने का अवसर मिलता है।"

सुश्री डी. आर. डॉली बर्मन
निदेशक, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

"कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा कारगर रेफरल और सहबद्धता सुनिश्चित करने के लिए कल्याण योजनाओं के विवरण के साथ सेवा प्रदाताओं की सूची की निर्देशिका होनी चाहिए। पुलिसकर्मियों को स्वापक औषधि व्यसनियों के व्यसनकारी व्यवहार के आधार पर उनके साथ भेदभाव नहीं करने की शिक्षा अनिवार्यत: दी जानी चाहिए।"

श्री आर. पी. सिंह
महानिदेशक, आर्थिक अपराध स्कंध, उत्तर प्रदेश सरकार
(पूर्व उप–महानिदेशक–प्रचालन स्वापक नियंत्रण ब्यूरो)

"पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों के मौजूदा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए स्वापक औषधि उपयोग और एच.आई.वी./एड्स पर एक विनिर्दिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने की पहल एक स्वागत योग्य कदम है। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नाको को समस्त आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की इच्छा रखता है।"

सुश्री सम्पत मीणा
महानिदेशक/महानिरीक्षक, अनुसंधान और सुधार प्रशासन
पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

"मैं कारागार और अन्य आबद्ध परिवेशों में एच.आई.वी./तपेदिक के समस्याओं का निवारण करने तथा स्वापक औषधियों के उपयोग और एच.आई.वी. के परिप्रेक्ष्य में कानून प्रवर्तन एजेंसियों का संवेदीकरण करने में नाको के साथ कार्य करने में यू.एन.एड्स की प्रतिबद्धता का आश्वासन देता हूँ।"

डॉ. बिलाली कमारा
कंट्री डायरेक्टर, यू.एन.एड्स

"कानून प्रवर्तन, आपराधिक न्याय, जन स्वास्थ्य और नागरिक समाज एक–दूसरे के कार्य की कारगर पूर्ति कर सकते हैं।"

श्री सर्जी कापीनॉस
दक्षिण एशिया प्रतिनिधि, यू.एन.ओ.डी.सी.

"यह परामर्श 2017 में आयोजित एक अपेक्षाकृत बृहत राष्ट्रीय परामर्श की एक प्रशाखा था, जिसने पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों में प्रशिक्षण मॉड्यूलों में एच.आई.वी. और स्वापक औषधि उपयोग को शामिल करने की आवश्यकता को इंगित किया था।

डॉ. शोभिनी राजन
सहायक महानिदेशक, नाको

परामर्श में भाग लेने वाले वरिष्ठ अधिकारी:

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, गृह मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, तिहाड़ कारागार और चुनिंदा राज्यों के राज्य कारागार विभाग, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी और अन्य राज्य पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों, कारागार प्रशिक्षण स्कूल और आर्थिक अपराध स्कंध, उत्तर प्रदेश सरकार, नाको, आर.एन.टी.सी.पी., राज्य एड्स नियंत्रण समितियां, सी.डी.सी., एफएचआई360, ई.एच.ए., साथी, इंडिया एच.आई.वी./एड्स एलायंस, स्वाधार और उज्ज्वला होम्स और लक्षित हस्तक्षेप–गैर–सरकारी संगठन के प्रतिनिधि।

श्री एस. अब्राहम लिंकन, नाको

कार्यक्रम

वैश्विक निधि 6ठी पुन:पूर्ति की प्रारंभिक बैठक

वैश्विक निधि 6ठी पुन:पूर्ति की प्रारंभिक बैठक के दौरान गणमान्य व्यक्तियों के साथ श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार

7 एवं 8 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में भारत द्वारा वैश्विक निधि की 6ठी पुन:पुर्ति सम्मेलन के लिए उच्च स्तरीय प्रारंभिक बैठक का आयोजन किया गया। प्रारंभिक बैठक का उद्देश्य वैश्विक निधि के लिए अपने 6ठे पुन:पूर्ति सम्मेलन और उसके फंड जुटाने के अभियान के लिए निवेश को शुरू करने और 2020–22 से अधिक जीवन रक्षक कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधनों को जुटाना था।

पृष्ठभूमि

वैश्विक निधि की अनुदान रकमों को प्राप्त करने के उद्देश्य से और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राष्ट्रीय प्रत्युत्तर के अंदर इन निधियों का अच्छी तरह से समन्वय किया जाए, और अनुदान क्रियान्वयन का राष्ट्रीय निगरानी एवं स्वामित्व उपलब्ध कराया जा सके, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और अन्य संबंधित एवं हितबद्ध हितधारकों द्वारा इंडिया कंट्री कोऑर्डिनेटिंग मैकेनिज्म (इंडिया–सी.सी.एम.) की स्थापना की गई थी। वैश्विक निधि के समर्थन ने एच.आई.वी./एड्स, तपेदिक और मलेरिया न्यूनीकरण से संबंधित लक्ष्यों को हासिल करने और इन तीन रोगों के विरुद्ध संघर्ष में तीव्रता लाने में सहायता की है। 2002 से भारत एक ग्राही और एक दाता के रूप में एड्स, तपेदिक और मलेरिया के विरुद्ध संघर्ष हेतु वैश्विक निधि (जी.एफ.ए.टी.एम.) के साथ निरंतर सहभागिता कर रहा है। भारत इस प्रकार के कार्यक्रम की मेज़बानी करने वाला प्रथम क्रियान्वयन देश बन गया है. और एक समर्पित भारत प्रदर्शन–मंजूषा कार्यक्रम के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य में इसकी भूमिका एवं राजनीतिक नेतृत्व, तथा साथ ही, एस.जी.डी.3 को हासिल करने के लिए इसकी प्रबल प्रतिबद्धता पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

7 फरवरी, 2019 को, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने एड्स, तपेदिक एवं मलेरिया को समाप्त करने के लिए अभिनवता एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के वैश्विक पदचिह्न तथा राष्ट्रीय प्रत्युत्तर के संवर्धित स्वामित्व एवं विकास में इसकी बढ़ती हुई भूमिका का प्रदर्शन करने के लिए "भारत प्रदर्शन–मंजूषा" पर एक समारोह का आयोजन किया।

"भारत प्रदर्शन–मंजूषा" समारोह में श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार

वैश्विक निधि 6ठी पुन:पूर्ति की औपचारिक प्रारंभिक बैठक में श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार

वैश्विक निधि की 6ठी पुन:पूर्ति के दौरान हुई सामूहिक चर्चा में भाग लेने वाले प्रतिनिधि:

1. श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आ.एन.टी.सी.पी.)
2. डॉ. आर. एस. गुप्ता, उप–महानिदेशक (सी.एस.टी.), नाको
3. डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक (आई.ई.सी.), नाको
4. डॉ. बिलाली कमारा, कंट्री डायरेक्टर, यू.एन.एड्स
5. डॉ. निकोल सेगी, सी. डी. टीम लीडर, डब्ल्यूएचओ
6. सुश्री मोना बलानी
7. डॉ. सोनल मेहता, मुख्य कार्यकारी, एलायंस इंडिया
8. मध्यस्थ: डॉ. शोभिनी राजन, अपर महानिदेशक (टी.आई.)

भारत में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की यात्रा पर सामूहिक चर्चा की गई, जिसमें पिछले 5 वर्षों में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, एच.आई.वी. जांच के लिए 'समुदाय आधारित अनुवीक्षण' (कॉम्युनिटी बेस्ड टेस्टिंग), रोकथाम एवं उपचार के लक्ष्यों को हासिल करने में जांच, उपचार नीति', एच.आई.वी./एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के अधिष्ठापन, देश में पी.एल.एच.आई.वी. के विरुद्ध सामाजिक कुक्षि एवं भेदभाव का न्यूनीकरण और मानवाधिकार सुरक्षित करने, एच.आई.वी. निगरानी और एकीकृत जैविक और व्यवहारवादी निगरानी (आईबीबीएस) सहित कार्यनीतिक सूचना की प्रमुख विशेषताओं, निगरानी तंत्र की प्रमुख विशेषताओं, 2020 तक 90–90–90 के लक्ष्य हासिल करने में चुनौतियों, और 2030 तक जन स्वास्थ्य ख़तरे के रूप में एड्स के उन्मूलन में नीतिगत और कार्यक्रमबद्ध प्रगति पर प्रकाश डाला गया।

वैश्विक निधि की 6ठी पुन:पूर्ति के दौरान पैनल चर्चा की झलक

वैश्विक निधि 6ठी पुन:पूर्ति की औपचारिक प्रारंभिक बैठक में श्रीमती प्रीति सूदन, सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), भारत सरकार

8 फरवरी, 2019 को वैश्विक निधि 6ठी पुन:पूर्ति की औपचारिक प्रारंभिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार तथा माननीय वित्त मंत्री, भारत सरकार ने किया। बैठक का उद्देश्य दाता देशों और तकनीकी सहभागियों के अधिकारियों के समक्ष 2020–22 की अवधि के लिए निवेश मामले को प्रस्तुत करना था, जिसके बाद वैश्विक स्वास्थ्य में प्रमुख विषयों और एच.आई.वी./एड्स, तपेदिक एवं मलेरिया के विरुद्ध संघर्ष पर एक परिचर्चा माला का आयोजन किया गया।

ज्योतिका, नाको

एड्सकॉन–"एड्स मुक्त दुनिया की ओर"

एड्सकॉन के उद्घाटन–सत्र के दौरान श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ।

15 एवं 16 फरवरी, 2019 को चंडीगढ़ में लगातार 8वें साल "एड्स मुक्त विश्व" लक्ष्य के साथ चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के राष्ट्रीय सम्मेलन, एड्सकॉन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, चंडीगढ़ के सहयोग से आयोजित किया गया। चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (एस.ए.सी.एस.) इस प्रकार का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने वाली देश की एकमात्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी है। संघशासित क्षेत्र चंडीगढ़ के वरिष्ठ प्रशासकों, श्री मनोज कुमार परीडा, आई.ए.एस., प्रशासक के सलाहकार, श्री अरुण कुमार गुप्ता, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव स्वास्थ्य और श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन किया गया।

इस सम्मेलन के दौरान, कुल 10 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें आई.ई.सी. एवं मेनस्ट्रीमिंग, रक्त संरक्षा, क्लीनिकल कोन्टीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन अपेक्षाकृत नई कार्यनीतियां, लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम का पुनर्गठन और पुन: कार्यनीति बनाना, मनोसामाजिक मसले सिन्डेमिक्स, 2020 तक 90–90–90 के तीसरे 90 तक पहुँचना, और द्वितीय पीढ़ी रोकथाम एवं देखभाल शामिल थे।

पैनल चर्चाओं में 70 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। वैश्विक सहभागी जैसे यू.न.एड्स, डब्ल्यू.एच.ओ., इंडिया एच.आई.वी./एड्स एलायंस, एड्स सोसायटी ऑफ इंडिया (ए.एस.आई.), एफ.एच.आई.360, हमसफर ट्रस्ट, सी.एच.ए.आई., वाई.आर.जी. केयर चेन्नई, आई.सी.एम.आर., आई.ए.वी.आई. इंडिया, साथी आदि के प्रतिनिधियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। लक्षित समूहों, सेक्स वर्कर्स, स्वापक औषधियों के उपयोगकर्ताओं और एम.एस.एम. के उच्च जोखिम समूहों के प्रतिनिधियों ने अपने पक्ष सामने रखे और आग्रह किया कि कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल शुरू की जाए क्योंकि सभी अब भी कुछ–एक मामूली कुक्षि से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के साथ पी.जी.आई.एम.ई.आर., जी.एम.सी.एच.–32 और स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सा बिरादरी ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

इस वर्ष, निजी चिकित्सकों के लिए रुचिकर विशेष महत्त्वपूर्ण लेख के रूप में, एच.आई.वी./एड्स पर एक क्लीनिकल कोन्टीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन पेश किया गया था जिसका समन्वय ए.एस.आई. द्वारा किया गया था। इस सम्मेलन को पंजाब मेडिकल काउंसिल द्वारा 8 क्रेडिट घंटे से सम्मानित किया गया। दो दिन के इस सम्मेलन में डॉक्टरों, शोधकर्ताओं, छात्रों, प्रशिक्षुओं और विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों और तकनीकी सहायता इकाइयों से भी लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान आयोजित विचार–विमर्श को भविष्य के कार्यक्रम की योजना में शामिल करने के लिए नाको के साथ साझा किया जाएगा और यह सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में 2030 तक एच.आई.वी./एड्स को समाप्त करने में बहुत ही सफल होगा।

चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

पूर्वोत्तर परिषद (एन.ई.सी) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और पूर्वोत्तर परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास स्वास्थ्य एवं परिवार मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

8 मार्च, 2019 को पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में नाको और पूर्वोत्तर परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के बीच 17वें समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और डॉ. इंद्रजीत सिंह, सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सम्मानित उपस्थिति में पूर्वोत्तर परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की ओर से श्री राम म्यूवह, सचिव और श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस सहभागिता का लक्ष्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्वोत्तर परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और नाको, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से एच.आई.वी./एड्स के प्रत्युत्तर को निम्नलिखित तरीकों से सुदृढ़ करना है:

क) पूर्वोत्तर परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के माध्यम से एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरुकता की जानकारी के साथ बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचाना।

ख) रोकथाम और जांच सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उच्च जोखिम समूह एवं युवाओं तक पहुँचने में स्व–सहायता समूहों की भागीदारी का संवर्धन करना।

ग) प्रमुख बैठकों के माध्यम से समर्थन जुटाने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में राज्य सरकारों के साथ समन्वय और पक्षसमर्थन का संवर्धन करना।

घ) एच.आई.वी. से संक्रमित और प्रभावित लोगों के विरुद्ध सामाजिक कुक्षि और भेदभाव को कम करना।

ड) पी.एल.एच.आई.वी. की सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच में वृद्धि करना।

पूर्वोत्त क्षेत्र के आठ राज्यों में एच.आई.वी./एड्स प्रत्युत्तर का सुदृढ़ीकरण करने के लिए इस सहभागिता को अत्यधिक महत्त्व दिया जा रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए, जिसमें आठ राज्य अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं, पूर्वोत्तर परिषद नोडल एजेंसी है।

श्री उत्पल दास, नाको

पूर्वोत्तर बहुमाध्यम अभियान का ग्रैंड फिनाले

18 फरवरी, 2019 को खुओशिजी, स्थानीय मैदान, कोहिमा, नागालैंड में लगभग 10,000 दर्शकों की उपस्थिति में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से पहले पूर्वोत्तर बहुमाध्यम अभियान के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया गया। श्री एस. पंगनु फोम, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, नागालैंड सरकार, ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी विशेष उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस समारोह में नाको के उप–महानिदेशक, डॉ. नरेश गोयल, और मेजर जनरल, प्रदीप नायर, वी.एस.एम, महानिरीक्षक, मुख्यालय आईजीएआर (एन) विशेष अतिथि थे।

उद्देश्य

- एचआईवी/एड्स के विषय को अधिक से अधिक दृश्यता प्रदान करना,
- युवाओं के बीच सुरक्षित और ज़िम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना,
- एच.आई.वी./एड्स के रहस्य को हटाकर कलंक और भेदभाव के स्तर को कम करना, एच.आई.वी./एड्स संबंधी सेवाओं, विशेषकर एच.आई.वी. जांच को बढ़ावा देना,
- एच.आई.वी./एड्स के बारे में सामान्य जागरुकता को बढ़ाना।

असम राइफल्स, एनसीसी, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, 8 पूर्वोत्तर राज्यों की एड्स नियंत्रण सोसायटियों और नागालैंड की 16 जनजातियों द्वारा प्रस्तुत की गयी परेड की झलक

श्री एस. पंगनू फोम माननीय मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, नागालैंड

सरकार ने वायरल लोड मशीनों और सभी समर्थनकारी अवसंरचना के स्थान पर इनकी सही संस्थापना का आश्वासन दिया।

श्री आई. हिमातो झिमोमी प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), नागालैंड

राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, नागालैंड सरकार, ने प्रस्तुत सभा को सुरक्षित आचरण को अपनाने और सभी उच्च जोखिम आचरणों से बचने की शपथ ग्रहण करवाई।

मेजर जनरल प्रदीप नायर विशिष्ट सेवा मैडल, महानिरीक्षक, मुख्यालय आईजीएआर (एन)ज़ेड

ने उल्लेख किया कि पूर्वोत्तर भारत उनके दिल के बेहद क़रीब है, क्योंकि उन्होंने लगभग सभी पूर्वोत्तर राज्यों में सेवा प्रदान की है। अपने सम्बोधन के दौरान उन्होंने चार प्रमुख मुद्दों–जागरुकता, शिक्षा, करुणा और समर्थन का भी उल्लेख किया।

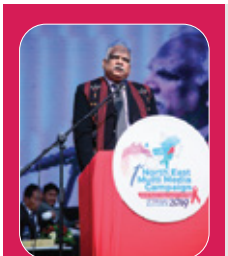

डॉ. नरेश गोयल उप–महानिदेशक, नाको

ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि मुख्य आबादी के बच्चों के लिए अनाथ एवं सुग्राही बाल परियोजना, मुख्य नीतिप्रारूपों के लिए विशिष्ट परियोजनाएं जैसे इंजेक्टिंग ड्रग यूज़र्स के लिए सनराइज़ प्रोजेक्ट, पूर्वोत्तर राज्यों में क्रियान्वित किये जा रहें हैं। उन्होंने नियमित कार्यक्रम गतिविधियों पर भी बल दिया जो एच.आई.वी./एड्स से जुड़ी कुक्षि और भेदभाव की रोकथाम के लिए युवाओं को संबोधित करती हैं, जैसे स्कूलों में किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम और कॉलेजों में रेड रिबन क्लब।

M,- fod;h ykl प्रमुख निदेशक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, नागालैंड ने टिप्पणी की कि संगीत वह भाषा है जो हर कोई समझता है और जितनी नागालैंड त्योहारों की भूमि है, समान रूप से यह उतनी ही संगीत की भूमि भी है।

श्री लानू अय्यर, प्रेज़िडेंट, नेटवर्क ऑफ नागा पीपल लिविंग विद एच.आई.वी. ने सभी युवाओं से उच्च जोखिम वाले व्यवहार से बचने का आग्रह किया क्योंकि किशोरावस्था वह आयु वर्ग है जो प्रयोग करने की इच्छा को अधिकतम बनाती है।

नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के परियोजना निदेशक डॉ. न्गैंगशिमरन ने असम राइफल्स, एनसीसी, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, 8 पूर्वोत्तर राज्यों की एड्स नियंत्रण सोसायटियों और उनके भाग लेने वाले बैंड, तथा नागालैंड की 16 जनजातियों के सभी भाग लेने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

çeq[k vkd"k.k

- स्थल पर 20 स्टॉल लगाए गए थे जिनमें एच.आई.वी./एड्स का अनुवीक्षण और जांच, परामर्श, नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा संबंधित आई.ई.सी. सामग्री का प्रदर्शन; कंडोम प्रोत्साहन और ए.एच.एफ. द्वारा पुतले, कॉम्युनिटी बेस्ड टेस्टिंग, समुदाय आधारित अनुवीक्षण, ओ.एस.टी. भर्ती और एफ.एच.आई.360 द्वारा रोगथाम व नियंत्रण मुख्य आबादी संबंधी जानकारी; एच.आई.वी/एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम 2017 के बारे में जानकारी शामिल थे।
- सभी 8 पूर्वोत्तर राज्यों ने आई.ई.सी. सामग्री (पेम्पलेट्स, पुस्तिकाओं, पर्चों, पोस्टरों, लाल–रिबन बैज आदि) का प्रदर्शन और वितरण किया। आगंतुकों के बीच एक लाख कंडोम और एक हज़ार टी–शर्टें वितरित की गई।
- 53 लोगों को पूर्व परामर्श देने के बाद जाँच की गयी जिनमें से कोई भी व्यक्ति पॉज़िटिव नहीं पाया गया।

fotsrk

cSM ds lkeatL; i.kZ çn'kZu] JksrkvksZa ds lkFk varjxrk vkSj xkuksa ds vuks[kkiu ¼ekSfydrk½] ,p-vkbZ-oh- vkSj ,M~l ds lans'k dk çlkj djus ds fy, çklafxdrk ds vk/kkj ij cSaM ds çn'kZuksa dk ij[kk x;kA

प्रसिद्ध गायक अल्बो नागा, गुरु रुबेन माशंगवा और डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक नाको ने समारोह में प्रदर्शनों का मूल्यांकन किया।

पूर्वोत्तर बहुमाध्यम ग्रैंड फिनाले अभियान के महासमारोह के विजेता थे: प्रथम–मणिपुर से 'द विशेज़', द्वितीय–नागालैंड से: 'यूली येथ्थो एंड द बैंड' और तृतीय–सिक्किम से 'रोल हेड्स'। विजेताओं को क्रमशः ₹1,00,000, ₹70,000 और ₹50,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। अन्य सभी भाग लेने वाली टीमों को भी ₹30,000 प्रत्येक के सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी विजेताओं को पुरस्कृत की जाने वाली धन–राशि, AHF-India के सहयोग से प्रदान की गई।

पूर्वोत्तर बहुमाध्यम समारोह के ग्रैंड फिनाले के प्रथम विजेता–मणिपुर से द विशेज़ बैंड

पूर्वोत्तर बहुमाध्यम समारोह के ग्रैंड फिनाले के द्वितीय विजेता–नागालैंड से 'यूली येथ्थो एंड द बैंड'

पूर्वोत्तर बहुमाध्यम समारोह के ग्रैंड फिनाले के तृतीय विजेता–सिक्किम से 'रोल हेड्स'

सुश्री सोनल वालिया, नाको

देखभाल, समर्थन एवं उपचार परियोजना की राष्ट्रीय समीक्षा

भुवनेश्वर, उड़ीसा में नाको की देखभाल समर्थन और उपचार (सी.एस.टी.) डिवीजन की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक के दौरान सहभागी।

15 से 17, जनवरी 2019 के दौरान भुवनेश्वर, उड़ीसा में नाको की देखभाल समर्थन और उपचार (सी.एस.टी.) डिवीजन की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य नई कार्यनीतियों पर फोकस के साथ राज्य स्तर पर मुद्दों का निवारण करने के लिए सी.एस.टी. कार्यक्रम में की गई प्रगति की समीक्षा करना था। श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, डॉ. प्रमोद कुमार मेहेढा, उड़ीसा राज्य स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त सह सचिव, डॉ. आर. एस. गुप्ता, उप–महानिदेशक –सी.एस.टी., नाको, डॉ. निकोल सेगी, सीडी–टीम लीडर, डब्ल्यूएचओ, डॉ. बिलाली कमारा, कंट्री डायरेक्टर, यू.एन.एड्स और राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, एलायंस इंडिया, प्लान इंडिया, साथी, टी.आई.एस.एस., एस.आर. एवं एस.एस.आर. के प्रतिनिधि तथा नाको के अधिकारियों ने बैठक की शोभा बढ़ाई। श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको ने सी.एस.टी. कार्यक्रम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

सम्मान

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्य (कर्नाटक, केरल और चंडीगढ़), ए.आर.टी. केन्द्र (बिहार: एस.एच. सीतामढ़ी, गुजरात; रिलायंस एच.आई.वी. एंड टी.बी. सेन्टर, सूरत, महाराष्ट्र; सी.एच. भंडारा) और सी.एस.सी. (बालासा, उड़ीसा और नेटवर्क, उड़ीसा) और देखभाल एवं सहायता केन्द्रों (सी.एस.सी.), उड़ीसा राज्य से आउटरीच कार्यकर्ता: समीक्षा बैठक के दौरान श्री बालाराम, श्री सनातन और सुश्री परिनीता को सराहना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अच्छा कार्य प्रदर्शन करने वाले राज्यों अर्थात गुजरात, मुंबई, तमिलनाडु, उड़ीसा, मुंबई, हिमाचल प्रदेश और मिज़ोरम और 15 ए.आर.टी. केंद्रों को प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ कार्यपद्धतियां

- समीक्षा बैठक के दौरान छत्तीसगढ़, मुंबई, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों को प्रस्तुत किया गया।

तकनीकी सत्र

- सहभागियों को एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी के राष्ट्रीय तकनीकी दिशानिर्देशों, एच.आई.वी./एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017, वायरल लोड निगरानी तंत्र, विभेदित ए.आर.टी. सेवा प्रदायगी के संबंध में मानक कार्यपद्धति, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और मिश्रित प्रशिक्षण के प्रति अभिमुख किया गया।

कार्यक्रम की समीक्षा

- राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने सर्वोत्तम कार्यपद्धतियों, कमियों/चुनौतियों, चुनौती पर काबू पाने के लिए कार्यवाही बिन्दुओं और नाको से अपेक्षित सहायता को प्रस्तुत किया।

श्री मैथ्यू सबेस्टियन, नाको

लक्षित हस्तक्षेप (टी.आई.) परियोजना के लिए अगली पीढ़ी की आई.ई.सी. सामग्री का विकास

जयपुर में सह–सृजन कार्यशाला में सहभागी

नए ज़माने की संचार आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से, नाको का आई.ई.सी. प्रभाग एफ.एच.आई.360 के सहयोग से लक्षित हस्तक्षेप (टी.आई.) परियोजना के लिए 'अगली पीढ़ी' आचरण परिवर्तन संचार सामग्री तैयार कर रहा है। इस कदम का उद्देश्य मुख्य और ब्रिज पापुलेशन के लिए नाना प्रकार के बी.सी.सी. पैकेजों की रूप रेखा बनाकर एवं तैयार करके नए ज़माने के संचार प्लेटफॉर्मों, साधनों एवं कार्यनीतियों की सहायता से उच्च जोखिम समूहों तक पहुँचना है। यह सामग्री इन समूहों के बीच सेवाओं के उद्ग्रहण का संवर्धन करने, मांग उत्पन्न करने, कंडोम के इस्तेमाल को बढ़ावा देने और सुरक्षित पद्धतियों का पालन करने में सहायता करेगी। यह सामग्री सेवा प्रदाताओं के लिए तैयार की गई दिलचस्प विषय वस्तु की सहायता से उनके कौशलों का संवर्धन करने का अवसर भी उपलब्ध कराएगी। यह जोखिम आबादी के साथ अंतर वैयक्तिक संचार सत्रों का आयोजन करने में इन स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं की सहायता करेगा।

विषय वस्तु की आवश्यकता के विचार को समझने के लिए, 16 से 19 जनवरी, 2019 को जयपुर में 'सह–सृजन' शीर्षक के अंतर्गत एक चार–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नाको और राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से सहभागी, समुदाय के सदस्य, चुनिंदा संस्थाओं से सृजनात्मक विशेषज्ञ और विकास सहभागी शामिल थे।

डॉ. संजय राउत, नाको

फास्ट–ट्रैक वीसीटी@वर्क के संबंध में परामर्श

आई.एल.ओ. और गुजरात राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से नाको ने फास्ट–ट्रैक वीसीटी@वर्क पर परामर्श का आयोजन किया

भारत के कामकाजी वर्ग का एच.आई.वी. प्रत्युत्तर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की कार्यनीतिक प्राथमिकताओं में से एक है। नाको ने राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों के माध्यम से आई.एल.ओ. के सहयोग के साथ सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्योगों, नियोक्ता संगठनों और अन्य प्रमुख हितधारकों की प्रणबद्धता का सुदृढ़ीकरण करने के लिए और कामकाज की दुनिया में एच.आई.वी. और एड्स के लिए राष्ट्रीय प्रत्युत्तर पर भी बल देने के लिए तथा वीसीटी@वर्क अभियान के माध्यम से कामगारों के बीच स्वैच्छिक जांच को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। वीसीटी@वर्क अभियान का सुदृढ़ीकरण करने की कार्यसूची के साथ आगे बढ़ने के लिए, नाको ने आई.एल.ओ. और गुजरात राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से गुजरात के तीन प्राथमिकता–प्राप्त ज़िलों, अहमदाबाद, सूरत और जामनगर में क्रमश: 11, 13 और 18 मार्च, 2019 को फास्ट–ट्रैक वीसीटी@वर्क पर परामर्श का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

11 मार्च, 2019 को अहमदाबाद में आयोजित पहले परामर्श फास्ट–ट्रैक वीसीटी@वर्क में प्रमुख उद्योगों ने भाग लिया, अर्थात सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के प्रमुख उद्योगों ने मूलत: लार्सन एंड टर्बो (एल.एंड.टी), रिलायंस टैक्सटाइल, गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम, डायमंड एसोसिएशन अहमदाबाद, गुजरात औद्योगिक विकास निगम, मेट्रो रेल अहमदाबाद, केन्द्रीय कामगार शिक्षा बोर्ड, गुजरात राज्य नेटवर्क ऑफ पॉज़िटिव पीपल (जी.एस.एन.पी), अहमदाबाद नेटवर्क ऑफ पॉज़िटिव पीपल (एनएनपी), नागरिक सोसायटियां डी.ए.पी.सी.यू. – अहमदाबाद आदि ने भाग लिया। इसी प्रकार, दूसरा परामर्श सूरत में आयोजित किया गया था और इसमें डी.ए.पी.सी.यू. सूरत, विभिन्न उद्योगों जैसे ओएनजीसी, लार्सन एंड टर्बो, वस्त्र उद्योगों–हिमालय कॉटन यार्न, गार्डन सिल्क मिल लि., श्री जगदम्बा मिल, पूजा मिल, कदमा मिल, सूरत डायमंड एसोसिएशन, गुजरात औद्योगिक विकास निगम, गुजरात राज्य नेटवर्क ऑफ पॉज़िटिव पीपल (जीएसएनपी), गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तीसरे परामर्श में विभिन्न उद्योगों ने भाग लिया जिसमें जामनगर इंडस्ट्री ओनर्स एसोसिएशन, सेनॉर मैटल्स, जीएसएफसी, सिक्का, बालार्क मैटल्स, श्री दिग विजय सीमेंट कंपनी लि., सिक्का, जयदीप उद्योग आदि शामिल थे।

फास्ट–ट्रैक वीसीटी@वर्क के मुख्य परिणामों का सारांशीकरण:

- वीसीटी@वर्क को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना और कार्यान्वयन कार्यनीति तैयार करने के लिए तीनों ज़िलों में संयुक्त कार्रवाई मंच का गठन।
- संवेदीकरण, प्रशिक्षण और आई.ई.सी. गतिविधियों के माध्यम से जागरुकता लाने के लिए ज़िम्मेदारियों को साझा करना। उद्योगों ने डी.ए.पी.सी.यू. और राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से परामर्श और जांच सेवाएं स्थापित करना शुरु करने के लिए सहमति दी।
- कामगारों के लिए जागरुकता सृजन, सेवाओं की स्थापना और स्वैच्छिक एच.आई.वी. जांच को बढ़ावा देने के लिए तीन परामर्शों में भाग लेने वाले उद्योगों हेतु कार्य योजना तैयार की गई।
- कार्यनीतिक स्थानों पर बैनर/होर्डिंग्स, पोस्टर और राष्ट्रीय निःशुल्क हेल्पलाइन 1097 के प्रचार के माध्यम से जागरुकता फैलाने के लिए आई.ई.सी. गतिविधियों हेतु उद्योगों से समर्थन जुटाना।
- गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम विभिन्न बस डिपों में जागरुकता सृजन गतिविधियों के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी की सहायता करेगा, सभी केंद्रों में एफ.आई.सी.टी.सी. की स्थापना करेगा और कामगारों एवं आम जनता के लिए जागरुकता गतिविधियों को बढ़ावा देगा।

श्री आशीष वर्मा, नाको

राष्ट्रीय एड्स नि:शुल्क हेल्पलाइन 1097

वर्षों से अपने सफल संचालन के दौरान, राष्ट्रीय एड्स नि:शुल्क हेल्पलाइन 1097 ने देश के विभिन राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान से अच्छी संख्या में कॉल प्राप्त करना जारी रखा हुआ है। राज्य एड्स नियंत्रण समितियों ने सूचना, शिक्षा एवं संचार के नियमित प्रयासों से हेल्पलाइन सेवा को सक्रियतापूर्वक बढ़ावा दिया है।

हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निवारण करने के लिए, जनवरी, 2019 में ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली को चालू किया गया था। शिकायत निवारण प्रणाली को प्रारंभ करने के बाद, एच.आई.वी. सेवा वितरण के संबंध में प्राप्त कुल शिकायतों का 26% दर्ज होने के 10 दिन की समयावधि के भीतर ही निवारित कर दिया गया। राज्य नोडल अधिकारी ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली को सक्रियतापूर्वक एक्सेस कर रहे हैं।

सफलता की कहानी

टेलीफोन करने वाले का नाम : गुमनाम
आयु : 20 वर्ष
राज्य : दिल्ली

टेलीफोन कॉल का सारांश:

टेलीफोन करने वाले व्यक्ति ने अत्यधिक दुख और निराशा के साथ 1097 पर टेलीफोन किया था! उसने यह बता कर अपनी बातचीत शुरु की कि उसने एक महिला सैक्स वर्कर के साथ यौन संबंध बनाए थे हालांकि इस गतिविधि के दौरान उसने कंडोम इस्तेमाल किया था। उसे शक है कि इस कार्य के दौरान शायद कंडोम फट गया था। कुछ दिन बाद, उसने इंटरनेट पर एच.आई.वी. और इसके लक्षणों के बारे में खोज की और उसे जो परिणाम मिले उन्हें लेकर वह असमंजस में पड़ गया है। चक्कर में डाल देने वाले इन परिणामों ने उसकी उत्तेजना का स्तर इतना बढ़ा दिया है कि उसके अंदर आत्महत्या की प्रवृत्ति पैदा हो गई है, जैसा कि उसने काउंसलर को सूचित किया।

उसकी पूछताछ के प्रत्युत्तर में, काउंसलर ने सबसे पहले उसे शांत हो जाने के लिए कहा। काउंसलर ने उसके रोज़ाना के जीवन में उसके कुछ ज़िम्मेदार आचरणों के उदाहरणों के बारे में पूछ कर उसे शांत करने की कोशिश की। जब काउंसलर को प्रतीत हुआ कि टेलीफोन करने वाला व्यक्ति अब संतोषपूर्वक उसकी बात सुनने के लिए तैयार है तो काउंसलर ने सुझाव दिया कि यह चिंता करने का मुद्दा नहीं है क्योंकि यौन संबंध बनाने के दौरान उसके द्वारा सुरक्षा इस्तेमाल की गई थी। काउंसलर ने टेलीफोन करने वाले व्यक्ति से उपयुक्त परामर्श प्राप्त करने और एच.आई.वी. जांच के लिए सबसे नज़दीकी आई.सी.टी.सी. में जाने का अनुरोध किया। टेलीफोन करने वाले व्यक्ति को सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध मुफ्त जांच की सुविधा के बारे में भी बताया गया। टेलीफोन करने वाले व्यक्ति को सबसे नज़दीकी आई.सी.टी.सी. का पता भी बताया गया। काउंसलर ने उसे यह भी बताया कि चूँकि वह हाल में एक जोखिम पूर्ण गतिविधि में शामिल रहा है इसलिए यह संभव है कि 3 महीने से पहले जांच के परिणामों से उसे स्पष्ट तस्वीर प्राप्त न हो। फिर काउंसलर ने विंडो पीरियड के सिद्धांत के बारे में समझाया।
टेलीफोन करने वाला व्यक्ति पहले तो 3 महीने तक इंतज़ार करने के लिए असहमत प्रतीत हो रहा था लेकिन बाद में यह समय पूरा हो जाने तक इंतजार करने के महत्त्व को समझ गया क्योंकि उसे बताया गया कि इस से पहले प्राप्त होने वाले परिणाम शायद उसके स्वास्थ्य के बारे में सही उत्तर प्रदान न करें। काउंसलर ने उसे उस के रोज़ाना के कामकाज पर ध्यान केन्द्रित करने और अपने मन को ऐसी चीज़ों में लगाने के लिए कहा जो उस के मन को लाभकारी तरीके से व्यस्त रखती हैं। टेलीफोन करने वाले व्यक्ति का सुरक्षित यौन क्रिया के महत्त्व के बारे में मार्ग दर्शन भी किया गया और उसे बताया गया कि प्रत्येक यौनसंबंध के दौरान सुरक्षा अनिवार्य रूप से इस्तेमाल की जानी चाहिए।

टेलीफोन करने वाले का फीडबैक:

अंत में, टेलीफोन करने वाले ने काउंसलर को सूचित किया कि उसे चिंता मुक्त महसूस हो रहा है और काउंसलर से बातचीत करने के बाद उसे स्थिति का सामना करने के लिए हिम्मत भी मिली है।

श्री बेंजामिन, नाको

राज्य

जम्मू और कश्मीर

दीवार कैलेंडर का लोकार्पण

श्री अटल डुल्ले, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, सरकारी स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर ने डॉ. यशपाल शर्मा, निदेशक, चिकित्सा कॉलेज, डॉ. त्रैक आज़ाद, प्राचार्य, सरकारी चिकित्सा कॉलेज, डोडा, श्री साजद अमीन, अपर सचिव (विधि), स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा और डॉ. मुश्ताक अहमद राठेर, परियोजना निदेशक, जम्मू और कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी की उपस्थिति में दीवार कैलेंडर का उद्घाटन किया।

ब्लड बैंकिंग के लिए औषध निरीक्षकों का प्रशिक्षण

ब्लड बैंक के लिए औषध निरीक्षकों को प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से, 16 फरवरी, 2019 को अहमदाबाद में ब्लड बैंकिंग के संबंध में खाद्य एवं औषध नियंत्रण प्रशासन के कार्मिकों के लिए एफ.डी.सी.ए.–जी.एस.सी.बी.टी. कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयुक्त, एफ.डी.सी.ए., गुजरात सरकार; निदेशक, जी.एस.सी.बी.टी. और एफ.डी.सी.ए., गुजरात के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन किया गया।

जम्मू और कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

गुजरात

"कारागारों में एच.आई.वी./एस.टी.आई., तपेदिक और यकृतशोथ हेतु व्यापक सेवाओं के लिए सहबद्धताओं के सुदृढ़ीकरण" पर परामर्श

"कारागारों में एच.आई.वी./एस.टी.आई., तपेदिक और यकृतशोथ हेतु व्यापक सेवाओं के लिए सहबद्धताओं के सुदृढ़ीकरण" पर परामर्श के दौरान सहभागी

22 फरवरी, 2019 को अहमदाबाद में यूनाइटेड नेशन्स ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम (यू.एन.ओ.डी.सी.) ने "कारागारों में एच.आई.वी./एस.टी.आई., तपेदिक और यकृतशोथ हेतु व्यापक सेवाओं के लिए सहबद्धताओं के सुदृढ़ीकरण" पर विशेष हितधारक परामर्श का आयोजन किया। गुजरात के सभी केंद्रीय कारागारों के अधीक्षक और चिकित्सा अधिकारीगण इस सभा में प्रमुख हितधारक थे। मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात के पुलिस महानिदेशक श्री मोहन झा ने कारागारों की स्थिति पर अपने विचार साझा किए। सुश्री निकोल सेगी, टीम लीडर, संक्रामक रोग, डब्ल्यू.एच.ओ. ने भी कारागारों में सी.बी.एस. पर अपने विचार साझा किए। यू.एन.ओ.डी.सी. से सुश्री मधु शर्मा ने कारागारों में एच.आई.वी. पर चर्चा की। डॉ. संजय ए. लाकड़े, चिकित्सा अधिकारी, तिहाड़ जेल और डॉ. राजेश गोपाल, अतिरिक्त परियोजना निदेशक, जी.एस.ए.सी.एस. भी परामर्श में शामिल थे।

एस.आर.एच. सेवा एकीकरण के लिए प्रशिक्षण आयोजित

पराचिकित्सा कर्मचारी के लिए प्रशिक्षण सत्र के दौरान सहभागी

एस.आर.एच. सेवाओं के एकीकरण हेतु यू.बी.आर.ए.एफ. परियोजना के अंतर्गत, सरकारी अस्पताल में काम करने वाले पराचिकित्सा कर्मचारियों के लिए, जो एस.आर.एच. सेवाएं प्रदान करते हैं, और एन.ए.सी.पी. सुविधा जैसे आई.सी.टी.सी. में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए यू.एन.एफ.पी.ए. के सहयोग से जनवरी, 2019 में प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। तीन उच्च व्याप्ति ज़िलों अर्थात अहमदाबाद, साबरकांठा और सूरत में इन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया था। गुजरात एस.ए.सी.एस. से डॉ. सुधीर चावला, संयुक्त निदेशक (सी.एस.टी.), प्रभारी संयुक्त निदेशक (आई.ई.सी.) और श्री प्रतीक रावल, अपर निदेशक (जी.आई.पी.ए.) के द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

गुजरात राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

दिल्ली

व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरुकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

एच.आई.वी./एड्स जागरुकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सहभागी

17–23 जनवरी, 2019 को दिल्ली में दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने जन शिक्षण संस्थान के विभिन्न केन्द्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरुकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कुल 150 सहभागियों को एच.आई.वी./एड्स से जुड़े मुद्दों, सेवाओं तथा एच.आई.वी/एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम 2017 के बारे में अवगत कराया गया।

स्वस्थ भारत यात्रा का समापन समारोह

स्वस्थ भारत यात्रा के समापन समारोह के दौरान सहभागी

29 जनवरी, 2019 को दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने खाद्य संरक्षण विभाग, जी.एन.सी.टी.डी. और भारतीय खाद्य संरक्षण मानदंड प्राधिकरण के सहयोग से स्वस्थ भारत यात्रा के समापन समारोह में भाग लिया। इस समापन समारोह के दौरान एच.आई.वी./एड्स जागरुकता और वी.बी.डी. प्रेरणादायक चर्चाओं का आयोजन किया गया और सूचना, शिक्षा एवं संचार सामग्री भी बांटी गई।

महिला पुलिस सिपाहियों के लिए एच.आई.वी./एड्स पर सेंसिटाईज़ेशन कार्यक्रम

एच.आई.वी./एड्स जागरुकता के संबंध में महिला पुलिस सिपाहियों के लिए सेंसिटाईजेशन कार्यक्रम के दौरान सहभागी

23 जनवरी, 2019 को पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज द्वारका, नई दिल्ली में एच.आई.वी./एड्स जागरुकता के संबंध में महिला पुलिस सिपाहियों के लिए एक दिन का संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान 650 महिला पुलिस सिपाहियों का संवेदीकरण किया गया और उन्हें एच.आई.वी./एड्स से जुड़े मुद्दों, सेवाओं तथा एच.आई.वी/एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम 2017 के बारे में अवगत कराया गया।

दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

असम

वेस्टर्न रॉक बैंड प्रतियोगिता

राज्य स्तरीय वेस्टर्न रॉक बैंड प्रतियोगिता के दौरान सहभागी

20 जनवरी, 2019 को गुवाहाटी में एच.आई.वी. जागरुकता के संबंध में राज्य स्तरीय वेस्टर्न रॉक बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल चार रॉक बैंड्स अर्थात बॉटल रॉकेट्स, बैटल ऑफ सिम्फनी, एक्सिस्टेंस आफ्टर ट्रिस्टल और टाइरेनियन ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विजेता टाइरेनियन को घोषित किया गया। वहां एक प्रेरणादायक प्रदर्शन, "Judges", बैंड द्वारा किया गया। सम्मानित अतिथि, आयुक्त सचिव स्वास्थ्य सह परियोजना निदेशक, असम एस.ए.सी.एस. ने भी वेस्टर्न रॉक बैंड प्रतियोगिता की सराहना की।

असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

छत्तीसगढ़

सामाजिक सुरक्षा एकल खिड़की मॉडल बैठक

आयुक्त (एफ.डी.सी.ए., गुजरात सरकार) का उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मान

कोरबा ज़िले में श्री मोहम्मद कैसर हक (आई.ए.एस) कलेक्टर और अध्यक्ष, जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी, कोरबा की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा एकल खिड़की मॉडल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक से गैर–डी.ए.पी.सी.यू. ज़िले में सामाजिक सुरक्षा के लिए कार्यनीति तैयार करने में अधिकतम मदद मिलेगी।

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

पुदुच्चेरी

महा स्वास्थ्य मेला

पुदुच्चेरी में महा स्वास्थ्य मेले के दौरान गणमान्य लोग

28 जनवरी, 2019 को स्वास्थ्य विभाग, पुदुच्चेरी द्वारा दो दिवसीय महा स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। माननीय मुख्यमंत्री, माननीय स्वास्थ्य मंत्री और माननीय कल्याण मंत्री ने मेले का उद्घाटन किया। पुदुच्चेरी एड्स नियंत्रण सोसायटी ने मेले में एक प्रदर्शनी स्टाल लगाया जहां जागरुकता संदेश प्रदर्शित किए गए तथा उपस्थित आगंतुकों और आउट पेशेंट के बीच चौपन्नों का वितरण किया गया।

पुदुच्चेरी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

तमिलनाडु

मीम–एक दिवसीय प्रतियोगिता

श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मीम–एक दिवसीय प्रतियोगिता के विजेताओं की सूची की घोषणा करते हुए

इन दिनों, युवा सोशल मीडिया पर अधिक सक्रिय हैं जो जागरुकता के प्रभावी स्रोत के रूप में काम करते हैं और हमउम्र समूहों के बीच संदेश साझा करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराते हैं। तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने एक अभियान शुरू किया, जिसमें एक प्रतियोगिता के माध्यम से लगभग 1200 मीम कृतियां प्राप्त हुईं। 100 दिन के इस अभियान के दौरान, लगभग 100 रचनात्मक मीम का चयन किया गया और 17 जनवरी, 2019 को चेन्नई में श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको और डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको द्वारा विजेताओं की सूची जारी की गई। प्रत्येक विजेता को प्रशंसा पत्र और टी–शर्ट से सम्मानित किया गया।

तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

अंडमान और निकोबार

रक्तदान शिविर

भारतीय आरक्षी वाहिनी, पोर्ट ब्लेयर, आइलैंड्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पोर्ट ब्लेयर; आनंद मार्ग स्कूल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पोर्ट ब्लेयर, नील द्वीपय ब्रिचगंज मिलिट्री स्टेशन, ब्रिचगंज, पोर्ट ब्लेयर जैसे स्थानों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। स्वयं सेवकों से कुल 287 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

अंडमान और निकोबार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

हर वर्ष फरवरी के माह में सूरजकुंड, ज़िला फरीदाबाद, हरियाणा में सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला आयोजित किया जाता है। मेले का आयोजन सूरजकुंड मेला प्राधिकरण द्वारा किया जाता है, जिसकी अध्यक्षता प्रमुख सचिव पर्यटन, भारत सरकार करते हैं। यह मेला इस स्थल पर बहुत बड़ी संख्या में लोगों को परामर्श एवं जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है। हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने स्थल पर परामर्श और जांच सुविधाओं के लिए मेले में एक प्रदर्शनी भी लगाई। सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, सराय ख्वाजा, फरीदाबाद के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक का भी प्रदर्शन किया गया।

हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ फेडरेशन और मीडिया पार्टनर 92.7 बिग एफ.एम. के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व–संध्या पर, झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ और मीडिया पार्टनर 92.7 बिग एफ.एम. के साथ मिलकर रांची में एच.आई.वी./एड्स जागरुकता के लिए एक समारोह का आयोजन किया और एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) के विरुद्ध कलंक एवं भेदभाव को कम करने हेतु एक सहायक परिवेश की रचना की। इस कार्यक्रम में लगभग 200 लोगों ने भाग लिया, जिसमें विभिन्न नेटवर्क से 50 पी.एल.एच.आई.वी., गुलाबी ऑटो–रिक्शा चालक (महिला ड्राइवर), गॉसनर कॉलेज, रांची से महिला छात्र तथा झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और विभिन्न संगठनों के अधिकारी शामिल हुए। सुश्री आरती कुजूर–अध्यक्ष, झारखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग इस समारोह की मुख्य अतिथि थीं। अन्य सम्मानित अतिथि थे:

श्री दीपक मारू, अध्यक्ष–एफ.जे.सी.सी.आई, सुश्री पूनम आनंद–अध्यक्ष, महिला उद्यमी विंग–एफ.जे.सी.सी.आई, 92.7 बिग एफ.एम. से रेडियो जॉकी श्री भूपेश, सुश्री अमृता सोनी, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, एन.सी.पी.आई, गॉसनर कॉलेज से प्रोफेसर: प्रो. मृदुला और प्रो. आशा रानी और डॉ. बी. एन. पोद्दार–अपर परियोजना निदेशक, झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी।

झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

समारोह

राष्ट्रीय युवा दिवस

स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन, 12 जनवरी, पर समस्त भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। इस दिन स्वामी जी के दर्शन और आदर्शों का स्मरण किया करता है, जिनके लिए वे जिये और काम किया, जो कि भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है।

राजस्थान

अरुणाचल प्रदेश

गोवा

छत्तीसगढ़

केरल

मेघालय

उत्तराखंड

Reminding all the pregnant women to get tested for HIV & enjoy a safe motherhood. Ensure a healthy life for your baby...

To know more about HIV-testing during pregnancy, call national tollfree Helpline 1097

AIDS Helpline 1097

@NACOINDIA

संरक्षक: श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त सचिव, नाको: श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

संपादक: डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको

संपादकीय पैनल: डॉ. आर. एस. गुप्ता (डी.डी.जी.), डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.), डॉ. शोभिनी राजन (ए.डी.जी.), डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, सुश्री नेहा पाण्डेय (परामर्शदाता) नाको, ज्योतिका (परामर्शदाता) नाको

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

6वां तल और 9वां तल चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली–110001। टेलीफोन: 011–43509930, फैक्स: 011–23731746, www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं प्रकाशन: द विजुअल हाउस, ईमेल: tvh@thevisualhouse.in

आपके सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है, कृपया feedback4naconewsletter@gmail.com पर अपने सुझाव लिखें

http://naco.gov.in/ www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in @NACOINDIA

मुफ्त और गुप्त एच.आई.वी. परामर्श और जांच के लिए नज़दीकी सरकारी अस्पताल में परामर्श एवं जांच केन्द्र (आईसीटीसी) से संपर्क करें

सरकारी अस्पतालों में एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी चिकित्सा केन्द्रों में एच.आई.वी का नि:शुल्क इलाज उपलब्ध है।